हिन्दी प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी चंडीगढ़
(तिथि 05 नवंबर 2024, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय राजनयिकों को धमकाने की कोशिश कायराना हरकत है। उन्होंने कहा कि हिंसा की ऐसी घटनाएं देश का संकल्प कमजोर नहीं कर सकती। श्री मोदी ने कनाडा सरकार से इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने और कानून व्यवस्था बनाये रखने को कहा है। कनाडा के साथ विवाद शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली टिप्पणी है।

****

कल शाम हरियाणा राज भवन में हरियाणा दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया, जिसमें राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शाया गया।हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय उनकी धर्म पत्नी श्रीमती बंडारू वसंथा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उनकी पत्नी श्रीमती सुमन सैनी, मंत्रिगण और कई नेता भी हरियाणा दिवस समारोह में शामिल हुए ।कलाकारों द्वारा हरियाणवी संस्कृति और लोक गीतों के साथ-साथ कार्यक्रम में हरियाणा के रसिया, पंजाब का भंगड़ा, राजस्थान के काल बेलिया और हिमाचल प्रदेश का गद्दी नवाला नृत्य की झलक भी देखने को मिली। सभी शानदार लोक नृत्यों की प्रस्तुति मनमोहक और लाजवाब रही। इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने कहा कि हरियाणा दिवस राज्य की अनूठी संस्कृति, परंपराओं और विरासत का उत्सव है।राज्यपाल ने समारोह के उपरांत मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि देश की हरित क्रांति में अहम भूमिका निभाने वाला हरियाणा आज सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न प्रावधानों को लागू करने में भी हरियाणा काफी आगे है। श्री दत्तात्रेय ने कलाकारों को पांच लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

****

हरियाणा के पंचकूला में चल रहे तृतीय पंचकूला पुस्तक मेले का का आज दूसरा दिन है। पुस्तक प्रेमी मेले में बड़ी गिनती में पहुँच रहे हैं। 10 नवंबर तक चलने वाले इस पुस्तक मेले का उद्घाटन कल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया।आज हमारी संवाददाता सुमन शर्मा ने मेले में आए कई आगंतुकों से बातचीत की। मेले में आए कलाकार आर एन सिंह ने कहा -

मेले में आए एस पी नरूला ने प्रतिक्रिया देते हुए युवा पीढी को पुस्तकें पढ़ने का आह्वान किया।

मेले का आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करने के लिए ऊर्जा संस्कृति समिति की पहल पर विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयास से किया गया है। मेले में हिन्दी, अंग्रेजी और पंजाबी भाषा के 100 से अधिक प्रकाशकों की किताबें प्रदर्शित की गई है।

****

हरियाणा के अंबाला में कल वियतनाम-भारत द्विपक्षीय सेना अभ्यास (विनबैक्स) 2024 का पांचवां संस्करण शुरू हुआ। विनबैक्स का उद्देश्य दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है।इस संस्करण का मक़सद दोनों देशों की सेना और वायु सेना के कर्मियों द्वारा पहली बार सैन्य स्तर की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। भारतीय सेना के दल में 47 कर्मी शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व कोर ऑफ इंजीनियर्स की एक रेजिमेंट के साथ-साथ अन्य हथियारों और सेवाओं के कर्मियों द्वारा किया जाता है।विनबैक्स 2024 का समापन इस महीने की 23 तारीख को होगा।

****

आयकर अधिनियम की समीक्षा को लेकर आयकर विभाग को पिछले एक महीने के दौरान विभिन्न हितधारकों से साढ़े छः हजार से अधिक सुझाव मिले हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की बजट घोषणा के बारे में विचार विमर्श के लिये बैठक की अध्यक्षता की। वित्त

मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि आयकर अधिनियम के विभिन्न पक्षों की समीक्षा के लिये 22 विशेषज्ञ उपसमितियां गठित की गई हैं।

****

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर हरियाणा के सभी जिलों में में 22 अक्तूबर से लगाए जा रहे समाधान शिविरों में कल तक 5 हजार 430 लोग अपनी समस्या लेकर पहुँचे हैं । जिनमें से 3 हजार 458 समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि संबंधित विभाग के अधिकारी शेष लंबित समस्याओं का निदान तय समय सीमा में करेंगे। लंबित रही समस्याओं के समाधान बारे संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी कर शिकायतकर्ताओं को भी अवगत करवाया जा रहा है। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से भी इन शिविरों में आ रही शिकायतों की पूरी निगरानी की जा रही है। प्रवक्ता ने कहा कि स्थानीय निकायों एवं खंड स्तर पर खंड विकास एंव पंचायत अधिकारी के कार्यालयों में अधिकारी सुबह 9 से 11 बजे तक इन शिविरों में जन समस्याओं का गंभीरता से समाधान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का आयोजन इस लिए किया जा रहा कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान हेतु कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।